- उपनि (daneben) untertauchen TBR. 1,1,2,6.
- विनि untertauchen, baden: सलिले विनिमग्रसंघ: Buig. P. 1,15,11.
- संनि untersinken, versinken: संनिमज्जज्ञगदिदं गम्भीरे कालसागरे — न कश्चिद्ववुध्यते Spr. 3159. (पृष्टिवीम्) भारातामप्रकृष्टां च द्वःखिता संनिमज्जतीम् MBu. 12.7614.
- निस् 1) versinken: स्रानाभि निर्मा श्रीय र्घचक्राणि शाणित (so die ed. Bomb.) MBH. 7.6241. स पीडिता गिरिस्तिन निर्मा इत समत्तः HARIV. 5548. निर्मा versunken SAH. D. 168 (Gegens. उन्मा). स्तनावालाका तन्त्र द्वाः शिरः कम्पपते पुवा। तपीर्त्तर्निर्मा दिष्ट्रमुत्पाटपनिव ॥ DAÇAR. 182, 15. fg. 2) überschwemmen: सक्तिवेदं सर्व समुद्रा निर्माणात् ÇAT. BR. 7.1.4.14.
- प्र tanchen in, sich stürzen in (loc.): कृद् प्रामड्डात् Kâțu. in Ind. St. 3,479, 4. प्रमग्र P. 8, 4, 29, Sch.
- वि untertanchen, sich hineinbegeben in: विमिक्कियामि सिलले स-गणा द्राणिगाध्यदे MBu. 7,9223. Wohl fehlerhaft für नि॰. — caus. tauchen in. führen in MBu. 6,538; s. u. dem caus. von नि.
- सन्. partic. संमग्न versunken: शाणित MBu. 8,3726. शाकसागर R. Gore. 2,7,2.

मङ्ज (von मङ्ग्) adj. untertauchend; s. उद् े.

मङ्गकृत् (मङ्गन् + कृत्) n. Knochen H. 623.

দর্জীন্ (দ্বিজ্ঞান 1,158; m. Mark (des Knochens, Pflanzenstengels, der Frucht; AK. 2,4,4,12. H. 619. 628. 1121. Halaj. 2, 58. 5, 67. निर्मुङ्जानुं न पर्त्रणा जभार् R.10,68,3. AV. 4,12,4. नास्यास्थीनि भिन्खान मुत्ती निर्धियत् 9,5,23. 11,8,11. VS. 19,82. 20,13. TS. 7,2,10,4. TBn. 2, 3,6,2. unter den द्वाद्श नृषाा मलाः M. 5,135. मञ्जेका श्रिञ्जलिः im ganzon Körper) उर्घ तु महत्रके Jack. 3, 106. einer der fünf Bestandtheile des Körpers Ait. Br. 2, 14. Çat. Br. 6, 1, 2, 17. 13, 4, 4, 8. Khând. Up. 2, 19,1. संवत्सरं मञ्जा (व.). मञ्जाः नाश्रीयात्तद्वतं मञ्जा (व.). मञ्जाः नाश्रीया-दिति वा 2 (nach dem Schol. acc. pl., eher gen. sg.). M. 3, 182. In der spateren Medicin dasjenige Element (ধানু) des Leibes, welches aus den Knochen sich bildet und seinerseits den Samen erzeugt, Suça. 1,44,2. मज्जा प्रीतिं स्नेकुं वलं मुऋपुष्टिं पूर्णमस्त्रां करेगित ४८,१११ मज्जतय ४७, 5. 50, 5. 126.21. Çirng. Sanu. 3,1,1. pl. AV. 1,11,4. न मे सीदित मङ्जा-ना न ममोद्वेपते मन: MBu. 5,2779. acht AV. 2, 12,7. ÇAT. BR. 12,7, 1, 9. 10,2.6,18. 5,3,12. 12,3,3,3. म्रत्रो मञ्जाना वात्वान्यस्थीनि 13,4,4,9. वित्वपाल ॰ Suça. 1,29,7. मद्न ॰ 159,7. 167,12. 215,11. 15. 18. 226,6. भक्तातक ॰ 2,51,19. 329,15. 340,8. वर् रह्य 349,16. — Vgl. मज्जम्, मज्जा-

1. मङ्जन (von मङ्ज्) 1) m. der Taucher, Bez. eines gespenstischen Wesens: मङ्जनात्मङ्जना Hariv. 9558. Hariv. Langl. I, 513. N. pr. eines Wesens im Gefolge des Çiva Viâpi zu H. 210. — 2) n. P. 6, 4, 32, Sch. a) das Untertauchen, Eintauchen, Bad Nir. 9, 5. Kâti. Çr. 19, 5, 14. Pâr. Grus. 2,4. ात MBu. 1,4208. Ragh. 16,57. Buâg. P. 8,2,8. Kathâs. 10, 69. कारि॰ das Baden der Elephanten H. an. 3,211. Med. n. 59. Taik. 3,3,132 (मञ्जन gedr.). जाङ्गवीमङ्गनप्रीति नेजानित महस्थिताः Råéa-Tar. 3,47. संसार्गप्रव Spr. 477. सिललमङ्गनाकृत das Versinken, Untersinken 960. स् ६ Kathâs. 46,143. निर्षे das zur-Hölle-Fahren MBu. 12,11302. — b) das Ueberschwemmen, Ueberschütten: कार्पा अन्याक्षण धनंत्रपम् । स्म्यवर्षत्पुनर्पत्नमकराद्रयमञ्जन (रूपसर्जन ed. Bomb.) MBu. V. Theil.

8, 4768.

2. म्डान n. = म्डान Çabdak. im ÇKDR.

मङान्वेंस् (von मङान्) adj. markig (Gegons. स्रमङाका) TS. 7.5.42.1.

मङ्जिपित् (vom caus. von मङ्ज्) nom. ag. der sinken macht Çat. Ba. 4, 2, 5, 10.

দক্ষাল m. N. pr. oines Wesens im Gefolge des Skanda MBu. 9, 2572. দক্ষান ed. Bomb.; vgl. দক্ষান.

मङ्झम् n. = मङ्झन् Mark Suça. 2,84,16.

मुड्यसमृद्भव (मुड्यम् + स ) n. männlicher Same H. 629.

मुड्डी f. Mark H. 628, Sch. Çat. Br. 14,6, 9, 32. Maitriep. 3,4. Hariy. 13944. ेसार् Ind. St. 2,286 (13). — Vgl. निर्मंड्डा.

मङ्जाज (म॰ + ज) m. eine Art Bdellium भूमित्रगुरगुलु) Råéax. im ÇKDa. मङ्जान m. N. pr. eines Wesens im Gefolge der Skanda MBn. 9,2572 (मङ्जल ed. Calc.).

मञ्जमिक् (म॰ + मेक्) m. Markharnen. N. einer Krankheit Wise 361. Çîrric. Sann. 1,7.43.

मङ्जार्जम् ( $H^{\circ} + \xi^{\circ}$ ) n. 1) a hell. — 2) Bdellium Wilson.

मन्त्रासि (म॰ + सि) m. männlicher Same Ricax, im ÇKDa.

मञ्जासार् (म॰ + सार्) n. Muskatnuss Rágan. im ÇKDa.

मित्रा in der Form मह्यप: Kars. Ça. 13, 2.19 fehlerhaft für मृत्यः, wie ebend. जनुः st. चनुः.

मुख्यिका f. the female of the Indian crane Wilson.

मङ्जूक (von मङ्ज्) adj. häusig untertanchend, zur Etym. von मण्डूक Nig. 9, 5.

मृज्यूषा f. = मञ्जूषा Ram. zu AK. 2, 10, 30. ÇKDa.

मझँना instr. adv. (vgl. वर्रुणा. मरूना) insgesammt, insgemein, überhaupt, miteinander: = त्रल Naign. 2, 9. दृळ्ला चिदिम्ना भुत्रेनानि पार्चित्रा प्र च्यांवपित दि्व्यानि मुझ्मनी ए. 1,61,3. विम्ना भुत्रेनानि मुझ्मनी स्त्र्यंति) 2,17,4. यदिमानि चक्रत्रुविद्या जातानि भुत्रेनस्य मुझ्मनी 7,82,5. 1,143,4. योद्यामि विद्या जाताभि मुझ्मनी 8,77,4. स मुझ्मना जनिमा मानुषा-णाममर्त्येन नामाति प्र संभि das ganze Menschengeschlecht zusammen 6,18,7. 9,110,9. प्र रिश्चि मुझ्मनी दिव इन्हें: पृविद्याः Indra ist grösser als Himmel und Erde zusammen 3, 46,3. 1, 143, 2, 10,29, 6, 1,51,10. स इन्मक्ति समित्रानि मुझ्मनी कृण्याति पुद्म चार्त्रसा जनिम्यः die grossen स्वामक्ति माम्त्रानि मुझ्मनी कृण्याति पुद्म चार्त्रसा जनिम्यः die grossen मंत्रका शिक्षाकृति समित्रानि मुझ्मनी वृण्याति पुद्म चार्त्रसा च प्रति चासि मुझ्मनी व्रामि प्रामि मुझ्मनी व्रामि मुझ्मनी व्रामि मुझ्मनी व्रामि मुझ्मनी प्रामि मुझ्मनि AV. 13, 1, 14 ist, wie auch das Metrum zeigt, verstümmelt, und es mag ursprünglich obenfalls मुझ्मना dasolbst gestanden haben.

मञ्ज s. खर ः

मञ्. मैं बते 1) = मच्. मुञ्च्  $Dn\lambda \tau up. (6,12, v. l. - 2)$  = धार्षा (धृति), उच्छाप, पूजन (श्रची), auch दीप्ति (भास्) ebend. (6,13. - 3) = मित ebend. (7.15, v. l.)

मञ्च m. 1) Schaugerüste: मञ्चाश्च कार्यामामुस्तत्र ज्ञानपद् जनाः । वि-पुलानुटक्र्यापेतान् MBH. 1,5323. स्नारुरुक्तर्मञ्चान्मेर्त् देवस्त्रिपा पद्या 5827. उपापविष्टा मञ्चेषु द्रष्टुकामाः स्वयंवरम् 6959. HABIY. 4527. ्वाटाः 4528. 4533. मञ्चागोरेः 4645. मञ्चाराक्ष्या 4530. 4646. मञ्चात्रिष्क्रस्य 4768. 9114.